लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे एलीवेटेड रूट का 35 प्रतिशत काम पूरा

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ से कानपुर के सफर को आसान बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने काम की रफ्तार तेज कर दी है। 18 किमी. एलीवेटेड रूट का 35 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अगर यही रफ्तार रही तो सितंबर 2024 तक एलीवेटेड रूट का काम पूरा हो जाएगा। छह लेन वाले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे को तीन हजार करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को अगस्त 2025 तक पब्लिक के लिए शुरू होना है, लेकिन इसे मार्च 2024 तक एनएचएआइ शुरू करने की कोशिश है। इससे पहले एलीवेटेड रोड शुरू की जा सकती है।

63 किमी. के रूट पर 31 छोटे-बड़े पुल और छह फ्लाइओवर प्रस्तावित हैं। एनएचएआइ के अधिकारियों ने बताया कि इस पर भी साथ-साथ काम किया जा रहा है। अभी दो पालियों में काम चल रहा है। जरूरत पड़ने पर कार्यदायी संस्था तीन पालियों में काम करेगी। उद्देश्य है कि काम समय से पहले हो। एनएचएआइ के परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया ने बताया कि 1500 करोड़ रुपये एलीवेटेड रोड पर खर्च किए जा रहे हैं और 1500 करोड़ रुपये ग्रीन फील्ड, जो 45 किमी. का है, उस पर खर्च हो रहे हैं। प्रोजेक्ट कुल तीन हजार करोड़ रुपये का है। बता दें कि ग्रीन फील्ड से तात्पर्य है कि जो जमीनें अधिग्रहित करके छह लेन का मार्ग जो बनाया जा रहा है, उसे ग्रीन फील्ड कहा जा रहा है।

स्कूटर्स इंडिया के पास निर्माणाधीन लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे ● जागरण

2024 के दिसंबर तक लोगों के लिए शुरू हो जाएगा एक्सप्रेस वे

18 किमी. एलीवेटेड रूट पर साठ फीसद पिलर तैयार

एक नजर में लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस वे

- दूरी : 63 किमी.
- समय लगेगा : 35 मिनट
- लेन : छह लेन का होगा, भविष्य में हो सकेगा आठ लेन
- लागत : तीन हजार करोड़
- काम अब तक हुआ पूरा : 35 प्रतिशत

लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस पर कितना खर्च होगा

लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस वे पर सफर थोड़ा महंगा होगा। लखनऊ-कानपुर के बीच पड़ने वाले काथा गांव के पास टोल प्लाजा प्रस्तावित है। वर्तमान हाईवे की तुलना में डेढ़ गुणा ज्यादा टोल टैक्स चुकाना होगा लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस वे पर चलने वाले लोगों को।

चार्जिंग स्टेशन और रेस्टोरेंट भी होंगे

आगरा एक्सप्रेस वे की तर्ज पर रेस्टोरेंट बनना प्रस्तावित हैं। एनएचएआइ प्रयास कर रहा है इन्हीं रेस्टोरेंट के पास पेट्रोल पंप व इलेक्ट्रिक वीकल को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशन भी बना दिए जाएं। इसको लेकर कागजी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।